सेमेस्टर-दो

14 HN 201 CC-5 पंचम ~~पाँचवाँ प्रश्न~~ पत्र

3×10 = 30 (दीर्घउत्तरीय)
4×5 = 20 (लघुउत्तरीय)
10×2 = 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

क्रेडिट : 05

द्वितीय सत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से ~~अद्यावधि~~ अब तक)

- सन् 1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण, ~~सांस्कृतिक पुनर्जागरण व नवजागरण का संबंध~~, भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका मंडल, अन्य महत्वपूर्ण लेखक
- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, खड़ी बोली हिन्दी गद्य का विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज और ईस्ट इंडिया की भाषा नीति, 19वीं सदी में हिन्दी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

  हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं का उदय एवं विकास; ~~का आकलन~~ आलोचना, निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा-वृतांत, संस्मरण आदि।
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव– हिन्दी में स्वच्छंतावादी प्रवृति का उदय, विकास और छायावाद
- प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, देश विभाजन और साहित्य, कविता और नई कविता
- स्वातंत्र्योतर हिन्दी साहित्य में वैचारिक द्वंद्व– ~~व्यक्ति और स्वातंत्र्य~~, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, समाजवाद आदि
- आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार, नई कहानी आंदोलन और उसके बाद की कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग, हिन्दी आलोचना का विकास
- उत्तरछायावाद, नवगीत, ~~समकालीन कविता~~
- समकालीन हिन्दी साहित्य– ~~समकालीन हिन्दी साहित्य~~–कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नई प्रवृतियों का उदय, साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन, हिन्दी साहित्य में स्त्री-लेखन, दलित-लेखन
- हिन्दी में प्रवासी साहित्य ~~का इतिहास~~
- आधुनिक हिन्दी साहित्य के विकास में संस्थाओं की भूमिका (चार चयनित संस्थाएँ)

StudyOrigin.IN

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. ह0प्र0 द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास
3. वि0 प्र0 मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग
4. मैनेजर पाण्डेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली, 1994
5. रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1984
6. मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्स लिटरेरी, दिल्ली, 1981
7. नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबा, 1983
8. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.इ. आर.टी. दिल्ली, 1986
9. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिन्दी साहित्य और संवदेना का इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
10. नामवर सिंह– कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
11. देवीशंकर अवस्थीः विवके के रंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965
12. ओमप्रकाश वाल्मीकिः दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. राजेन्द्र यादव/अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2001
14. महादेवी वर्मा– श्रृंखला की कड़ियाँ, भारती भण्डार इलाहाबाद, 1958
15. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996
16. श्यौराज सिंह बेचैन, देवेन्द्र चौबे, सं0– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य : नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग और स्मृतिका फाउण्डेशन, दिल्ली, 2001
17. S.C. Mallik (Ed.) - Indian Documents : Some Aspects of Dissent Protest and Reform, Shimla, 1978
18. Savitri Chandra- Social Life and Concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry, Meerut, 1983.
19. विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
20. देवेन्द्र चौबे– आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरियंट ब्लैकस्वान, दिल्ली, 2009

StudyOrigin.IN

21. दीपक कुमार, देवेन्द्र चौबे सं.– हाशिये का वृत्तांत : स्त्री दलित और आदिवासी समाज का वैकल्पिक इतिहास, आधार प्रकाशन, पंचकुला, 2011

22. सुमन राजे– हिन्दी साहित्य का अधूरा इतिहास

23. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास

24. नामवर सिंह– इतिहास और आलोचना

" " – छायावाद

" " – आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ

25. रामचन्द्र तिवारी– हिन्दी का गद्य साहित्य

" " – आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम

26. रामस्वरूप चतुर्वेदी– गद्य साहित्य : विकास और विन्यास

♣♣♣♣♣

StudyOrigin.IN

MHN 203 CC-6 छठा प्रश्न पत्र

क्रेडिट :05

मध्यकालीन हिन्दी कविता (कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, रैदास, बिहारी और घनानंद)

कबीर– ह0 प्र0 द्विवेदी कृत 'कबीर', राजकमल, नई दिल्ली (छंद क्रम सं0 207 से अंत तक)

सूरदास– भ्रमरगीत सार, सं0 रामचन्द्र शुक्ल

(पद सं0– 1, 7, 8, 13, 16, 17, 19, 21, 30, 33, 35, 40, 42, 57, 64, 76, 85, 89, 95, 97, 121, 138, 140, 210, 211, 316, 366, 384, 400 कुल 30 पद)

तुलसीदास – रामचरित मानस (बालकांड– आरंभ से 37 वें दोहे तक)

(अयोध्या कांड– 185वें दोहे से अंत तक)

मीरा– मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(10 पद: मण थैं परस हरि रे चरण, तनक हरि, अली री म्हारे णेणा बाण पड़ी, म्हाँ गिरधर आगा नाच्या री, म्हांरा री गिरधिर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाऊँ, माई री म्हां, लियां गोविंदा मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, थैं मत बरजां माइंरी, नहिं सुख भावै थारो देसलड़ो रंगरूड़ो, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघरयां णाच्यारी, राणाजी थे जहर दिया म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो)

रैदास– संत काव्य संग्रह सं0 परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण किताब महल, इलाहाबाद (रैदास संपूर्ण)

बिहारी– बिहारी रत्नाकर सं0 जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(दोहा सं0 1, 2, 13, 20, 25, 32, 34, 35, 38, 41, 46, 51, 55, 61, 70, 73, 88, 94, 101, 141, 181, 190, 191, 192, 201, 228, 251, 300, 316, 322, 331, 357, 363, 386, 390, 420, 437, 486, 496, 652, 677, 689 कुल 42 पद) (कुल 20 दोहे)

घनानंद– स्वर्ण मंजूषा, से. नलिन विलोचन शर्मा एवं केसरी कुमार

(छंद सं0 1, 2, 8, 9, 14, 15, 16, 18, 21 एवं 22)

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. ह0 प्र0 द्विवेदी– कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रघुवंश– कबीर एक नई दृष्टि, इलाहाबाद नई दिल्ली
3. पुरूषोत्तम अग्रवाल– अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल नई दिल्ली
4. डॉ0 धर्मवीर – कबीर के आलोचक

StudyOrigin.IN

5. रामचन्द्र शुक्ल– सूरदास
6. रामचन्द्र शुक्ल– गोस्वामी तुलसीदास
7. विश्वनाथ त्रिपाठी– लोकवादी तुलसीदास
8. ह0प्र0 द्विवेदी– सूर साहित्य
9. हरवंश लाल शर्मा– सूर और उनका साहित्य
10. नंद दुलारे वाजपेयी– महाकवि सूरदास, अलीगढ़
11. मैनेजर पांडेय– भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, नई दिल्ली
12. प्रेमशंकर– रामकाव्य और तुलसी
13. विश्वनाथ त्रिपाठी– मीरा का काव्य
14. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– बिहारी, वाराणसी
15. बच्चन सिंह– बिहारी का नया मूल्यांकन
16. मनोहर लाल गौड़– घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा
17. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– घनानंद कविता, वाराणसी
18. ज्योतिसर शर्मा– शृंगारी रीतिमुक्त काव्य में प्रतियोक्ति
19. इमरै बंधा– घनानंद

♣♣♣♣♣

StudyOrigin.IN

MHN 203 CC-7

सातवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट :05

तीन प्रश्नोत्तर – 3×10=30
~~एक कार्यलेखन – 05~~
चार लघूत्तरी – 4×5=20
दस वस्तुनिष्ठ 10×2=20
70

संस्कृत साहित्य का इतिहास

~~आर्ष महाकाव्यों का परिचय~~

~~आर्ष महाकाव्यों का पूर्वापर क्रम~~

संस्कृत महाकाव्य

संस्कृत गीतिकाव्य

संस्कृत नाटक

संस्कृत गद्यकाव्य

पाठ्य–पुस्तक– मेघदूत (पूर्वमेघ) 10 छन्द

अनुमोदित ग्रंथः–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ० वचनदेव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास– राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत कवितयों का रचना–संसार– जयशंकर त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. संस्कृत सुकवि समीक्षा– बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा, वाराणसी
5. संस्कृत नाटककार– कान्ति किशोर भरतिया, हिन्दी समिति, लखनऊ
6. मेघदूतः एक पुरानी कहानी– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. संस्कृत नाटक के प्रणेता (अनु०) डॉ० वंशीधर लाल, बिहार ग्रंथ कुटीर, पटना

*****

10.5.18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

हिन्दी
मुजफ्फरपुर

HN 201 अठवां प्रश्न पत्र

क्रेडिट :

अस्मितामूलक विमर्श

अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत, अस्मिता-निर्माण की प्रक्रिया और प्रकृति

स्मृति, इतिहास और अस्मिता

अस्मिता और सत्ता

धर्म और अस्मिता

अस्मिता और राष्ट्र

भूमंडलीकरण और अस्मिता

व्यक्ति-अस्मिता और सामूहिक अस्मिता

हाशिए की अस्मिताएँ

अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

जेंडर की अवधारणा और स्त्रीत्ववादी चिंतकों की अवधारणाएँ

जेंडर अस्मिता, यौन-अस्मिता और सत्ता

जेंडर, भाषा और साहित्य

अंबेडकर और परवर्ती दलित विचारक

दलित आंदोलन और दलित साहित्य

दलित साहित्य और भाषा

पाठ– दलित कविताएँ– हीराडोम, बिहारी लाल हरित, निर्माला पुतुल, डॉ0 दयानंद बटोही और बलदेव प्रसाद श्रीवास्तव

दलित कहानियाँ– चतुरी चमार (निराला), कहीं धूप कहीं छाया (बेनीपुरी), विरामचिन्ह् (प्रसाद), सौभाग्य के कोड़े (प्रेमचंद), कर्ज (मोहनदास नैमिशराय), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि) लाठी (जयप्रकाश कर्दम)

दलित उपन्यास– वीरांगना झलकारी बाई (मोहदास नैमिशराय), उधर के लोग (अजय नावरिया)

दलित आत्मकथाएँ– जूठन (ओम प्रकाश वाल्मीकि), मुर्दहिया (डॉ0 तुलसी राम)

स्त्री आत्मकथाएँ– अन्या से अनन्या (प्रभाखेतान), कस्तूरी कुंडली बसै (मैत्रेयी पुष्पा)

StudyOrigin.IN

अनुमोदित ग्रंथः–

1. M.Melleci - New social movements : A Theoritical Approach
2. T.S. Kuhn (Ed.)- The Kristieva Reader
3. Beverly Skeggs- Feminist Cultural theory process and production
4. Sylvia Walby- The Originating Patriarchy
5. Tony Rosemery- Feminist Thought : A Comprehensive introduction
6. Mary Wollstone craft- A vindication of the Rights of Women.
7. J.S. Mill- The Subjection of Women.
8. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर– अम्बेडकर समग्र, भारत सरकार का प्रकाशन
9. ज्योतिबा फुले– ज्योतिबा फुले समग्र
10. अभय कु0 दुबे (सं0)– आधुनिकता के आईने में दलित
11. सिमोन द बोउवा– स्त्री उपेक्षिता (अनु0 प्रभा खेतान)
12. महादेवी वर्मा– शृंखला की कड़ियाँ
13. डॉ0 शरण कु0 लिंबाले– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. ओम प्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
15. कंवल भारती– दलित विमर्श की भूमिका
16. साधना आर्य (सं0)– नारीवादी राजनीति : संघर्ष और मुद्दे व जिनी लोकनीता
17. सदानंद शाही (सं0)– दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
18. प्रभा खेतान– उपनिवेश में स्त्री

♣♣♣♣♣

StudyOrigin.IN

M HN 301 CC-9

~~चौथा प्रश्न पत्र~~

क्रेडिट : 05

~~चतुर्थ सत्र~~

उपन्यास

~~भारतीय भाषाओं में उपन्यास के उदय की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि~~

भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास

उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– सुधारवादी आख्यान, अद्भुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास–दास्तान और किस्सा, यथार्थवाद का आरंभ

बीसवीं सदी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान

स्वाधीनता संग्राम की भूमिका और हिन्दी उपन्यास (विशेषकर प्रेमचंद)

भारतीय उपन्यास चिंतन, हिंदी उपन्यास चिंतन

उपन्यास और राष्ट्र

उपन्यास और मध्यवर्ग

व्यक्ति और उपन्यास

अंचल, गांव, शहर और उपन्यास

देश का विभाजन और उपन्यास

अस्मितागत उपन्यास

पाठ– प्रेमचंद (गोदान), जैनेन्द्र (त्यागपत्र), ह० प्र० द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), फणीश्वरनाथ रेणु (मैला आँचल), नागार्जुन (वरुण के बेटे), अज्ञेय (नदी के द्वीप), भीष्म सहनी (तमस), श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नमम), अनामिका (बशहरे का पींजरा)

अनुमोदित ग्रंथ–

1. विश्वनाथ काशीनाथ राजवाडे– 'उपन्यास', आलोचना 89, (जनवरी– मार्च 1988)
2. जॉर्ज लुकाच– उपन्यास का सिद्धांत
3. रॉल्फ फॉक्स– उपन्यास और लोक जीवन
4. गोपाल राय– हिन्दी उपन्यास का इतिहास
5. इन्द्रनाथ मदान– आज का हिन्दी उपन्यास

StudyOrigin.IN

इन्द्रनाथ मदान– हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख

6. राजेन्द्र यादव– उपन्यास : स्वरूप और संवेदना

7. रामदरश मिश्र– हिन्दी उपन्यास : एक अंर्तयात्रा

8. परमानंद श्रीवास्तव– उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा

9. मीनाक्षी मुखर्जी– रियलिज्म एंड रियल्टी : नॉवेल एंड सोसायटी इन इंडिया

10. शिव कुमार मिश्र– यथार्थवाद

11. रामविलास शर्मा– प्रेमचंद और उनका युग

12. नित्यानंद तिवारी– हिन्दी उपन्यास (1950 के बाद)

13. सीताराम झा 'श्याम' – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी उपन्यास

14. नेमिचन्द जैन– अधूरे साक्षात्कार

15. ज्ञानचंद जैन– प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास

16. टी.डब्लू. क्लार्क (सं.) – द नॉवेल इन इंडिया, लंदन 1970

17. राजेन्द्र प्रसार मिश्र– आंचलिकता की कला और कथा साहित्य

18. नन्द दुलारे वाजपेयी– प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचन

19. चंद्रकांत बांदिवडेकर– जैनेन्द्र के उन्यासः मर्म की तलाश

20. अशोक वाजपेयी – जैनेन्द्र की आवाज

21. सुवास कुमार– आंचलिकता, यथार्थवाद और रेणु

22. शशिभूषण सिंहल – हिंदी उपन्यास और प्रवृतियाँ

23. कमलेश अवस्थी– परंपरा और आधुनिकीकरण

24. गोपाल राय– अज्ञेय और उनके उपन्यास

25. सत्यप्रकाश मिश्र (सं0) – गोदान का महत्व

26. मधुरेश – हिन्दी उपन्यास का विकास

27. विजय मोहन सिंह– कथा समय

28. नन्द किशोर नवल (सं0)– कसौटी (पत्रिका) का समापन अंक बीसवीं सदी : कालजयी कृतियां

29. लुसिए गोल्डमान– टुआर्डस द सोशियोलोजी ऑफ नॉवेल

StudyOrigin.IN